कानपुर के प्लांट में बनेगा सेना का गोला-बारुद, योगी ने किया उद्घाटन

1500 करोड़ से तैयार प्लांट में राइफल, लाइट मशीन गन, एके-47 व कार्बाइन की गोलियां बनेंगी

डिफेंस कॉरिडोर

3000 करोड़ तक पहुंचेगा निवेश आने वाले पांच सालों में

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। साढ़ स्थित डिफेंस कॉरिडोर में अदाणी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के गोला-बारूद एवं मिसाइल उत्पादन प्लांट का उद्घाटन सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इसके साथ ही यहां पर उत्पादन भी शुरू हो गया है। शुरुआत में राइफल, लाइट मशीन गन (एलएमजी), एके-47 और कार्बाइन की गोलियां बनेंगी। अगले चरण में आर्टिलरी गन, गोला-बारूद, तोपें और हैंड ग्रेनेड समेत सेना के जवानों के लिए अलग-अलग तरह के अस्त्र-शस्त्र व सुविधाओं से संबंधित उत्पाद बनेंगे। अभी यह प्रोजेक्ट 1500 करोड़ से शुरू हुआ है। आने वाले पांच सालों में इसका विस्तार तीन हजार करोड़ तक किया जाएगा।

योगी ने इसे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि 2018 में जब प्रदेश में पहली इन्वेस्टर समिट हुई थी, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग कॉरिडोर की घोषणा की थी। इसके अंतर्गत यूपी में छह नोड बनने थे। इसमें अलीगढ़, आगरा, कानपुर, लखनऊ, झांसी और चित्रकूट शामिल हैं। कानपुर नोड में अदाणी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने काम शुरू कर दिया है।

हथियार के माडल को चेक करते हुए सीएम योगी। अमर उजाला

4 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार, सौर ऊर्जा से चलेगा प्लांट : करण अदाणी

अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी करण अदाणी ने बताया कि केवल 15 महीने में तैयार अदाणी समूह का यह कॉम्प्लेक्स दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा एम्युनिशन (गोला-बारूद) मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स है। इसकी क्षमता प्रतिवर्ष 150 मिलियन राउंड उत्पादन की है। इस इकाई में चार हजार लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा। इससे पांच गुना ज्यादा अप्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित होंगे। कॉम्प्लेक्स में ऊर्जा की जरूरतों के लिए सोलर पॉवर और वेस्ट मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत रहे युवा : सीएम

मुख्यमंत्री योगी ने पूर्व सरकार पर निशाना साधा। बिना किसी का नाम लिए कहा कि 2017 से पहले यूपी में तमंचे लहराए जाते थे, अब युवाओं के हाथों में टैबलेट हैं। पहले व्यापारियों-उद्यमियों को रंगदारी देनी पड़ती थी। अब पीएम स्वनिधि सम्मान योजना के तहत उन्हें लोन दिया जा रहा है। पहले दंगे होते थे, कर्फ्यू लगते थे, अब दंगल खेले जा रहे हैं। युवा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत रहे हैं।

यह रहे मौजूद : इस मौके पर उप्र विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी, राकेश सचान, लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणमय, आईआईडीसी मनोज कुमार सिंह, अदाणी ग्रुप के जीत अदाणी, आशीष राजवंशी मौजूद रहे।

रक्षा क्षेत्र मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा : राजनाथ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह कार्यक्रम के दौरान विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़े। उन्होंने कहा कि देश की तीनों सेनाओं को 2014 के बाद से आधुनिक हथियार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्नत तकनीक वाले साजो-सामान उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वो खुद कार्यक्रम में आना चाहते थे लेकिन कुछ कारणों से आ नहीं सके। रक्षा क्षेत्र मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा। प्रदेश में तेजी से विकास हो रहा है।

स्वदेशीकरण पर है सेना का पूरा जोर : जनरल पांडे

मिसाइलों और आयुध में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर जोर देते हुए थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने कहा कि हाल की भू-राजनीतिक घटनाएं इस बात पर जोर देती हैं कि लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष की तैयारी के लिए आयुध के लिए आंतरिक स्रोतों से विश्वसनीय आपूर्ति समय की मांग है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा अहम है। इस पर आत्मनिर्भरता बेहद जरूरी है। इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है।